TDC Even Semester Exam., 2019

HINDI

(Pass)

(4th Semester)

Course No. : HINP–401

(Sagun Bhakti Kavya)

Full Marks : 50
Pass Marks : 17

Time : 2 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10

(क) ऊधौ मनमाने की बात।
दाख छुहारा छाँड़े अमृत-फल, विषकीरा विष खात।
ज्यौं चकोर कौं देइ कपूर कोउ, तजि अंगार अघात।
मधुप करत घर कोरि काठ, मैं, बंधत कमल के पात।
ज्यौं पतंग हित जानि आपनौ, दीपक सौं लपटात।
सूरदास जाको मन जासौं, सोई ताहि सुहात।

(ख) ममता तू न गई मेरे मन से।
पाके केस जन्म के साथी लाज गई लोकन तें।
तन थाके कर कम्पन लागे जाति गई नैनन तें॥
सखन वचन न सुनत काहु के बल गये सब-इन्द्रिन तें।
टूटे दसन बचन नहिं आवत सोभा गई मुखन तें।

(ग) दरस बिन दूखण लागै नैन।
जब के तुम बिछुरे प्रभु मोरे कबहुँ न पायो चैन।
सबद सुनत मेरी छतियाँ काँपै मीठे मीठे बैन।
बिरह कथा कासूँ कहूँ सजनी, यह गई करवट अैन।

2. (क) सूरदास के 'भ्रमरगीत' की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

(ख) ''हिन्दी साहित्य में शृंगार का रस-राजत्व यदि किसी ने पूर्ण रूप से दिखाया है, तो सूर ने।'' इस कथन की सत्यता प्रमाणित कीजिए।

3. (क) तुलसीदास की भक्ति-भावना का विश्लेषण कीजिए। 10

अथवा

(ख) तुलसीदास की काव्य-भाषा पर एक लेख लिखिए।

4. (क) मीराबाई की काव्यगत विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

(ख) मीरा की विरह-भावना को स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 5×2=10

(क) 'मथुरा गमन' का मूल भाव

(ख) मीरा के कृष्ण

(ग) सूर की भक्ति-भावना

(घ) अजये-रथ की मूल संवेदना

★★★